ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :21.11.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-11-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	22/11/2023	23/11/2023	24/11/2023	25/11/2023	26/11/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	26.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	10.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	6	8	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	270	230	230	230	230
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	2	4

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (14 से 20 नवंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27.0 से 30.0 डिग्री सेल्सियस और 12.0 से 13.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 76 से 93% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 34 से 48% के बीच रही। हवा की गति 0.2 से 2.7 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों का पूर्वानुमान है कि बारिश नहीं होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 26.0-27.0 डिग्री सेल्सियस और 9.0-11.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 6-8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेंगी।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र के लिए विस्तारित सीमा पूर्वानुमान से पता चलता है कि पिछले सप्ताह के लिए जिलेवार साप्ताहिक औसत वर्षा 0 मिमी थी और पूर्वानुमान प्रवृत्ति 23 नवंबर तक बड़ी कमी वाले वर्षा पैटर्न को इंगित करती है तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य प्रवृत्ति के रहने की उम्मीद है ।मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान भाइयों से अनुरोध है की 18% ब्रिक्स वाले पेड़ी गन्ने की कटाई और प्रसंस्करण तदनुसार किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क स्थिति बनी रहने की उम्मीद है, इसलिए विशेष रूप से फूल आने वाली अवस्था की फसलों में सिंचाई की जानी चाहिए और अन्य सभी कृषि कार्य आवश्यकतानुसार किए जा सकते हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	अंकुरण	शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए , जबकि नौलख गन्ने की बुवाई के मामले में, फसल की आवश्यकता अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
अरहर	कटाई/फूल/फली निर्माण	अगेती किस्मों की कटाई तब की जानी चाहिए जब 75-80% फलियाँ परिपक्व हो जाएँ, जबकि देर से आने वाली किस्मों के मामले में , फली छेदक कीट के प्रकट होने पर अनुशंसित पद्धतियाँ अपनाई जानी चाहिए। कीटों का अनुश्रवण करने के लिए 5-6 फेरोमोन प्रपंच/है. की दर से फसल में फूल आतें समय खेत में लगाए। 5 -6 मॉथ प्रति प्रपंच यदि दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो इनमें में से किसी एक दवा का इस्तेमाल करें एन. पी. वी. 500 सूड़ी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./है या इंडोक्साकार्ब 14. 5 ई.सी. की 353-400 मि.ली. या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस.जी. की २२० मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हैक्टर।आवश्यकता पर इनका दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें।
चना/मसूर	अंकुरण/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए तथा 25-30 दिन के अंतराल पर फसल की निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम की दर से 200-250 लीटर पानी में मिश्रित कर छिड़काव किया जा सकता है। कीटों का अनुश्रवण करने के लिए 5-6 फेरोमोन प्रपंच/है. की दर से फसल में फूल आतें समय खेत में लगाए। 5 -6 मॉथ प्रति प्रपंच यदि दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो इनमें में से किसी एक दवा का इस्तेमाल करें एन. पी. वी. 500 सूड़ी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./है या इंडोक्साकार्ब 14. 5 ई.सी. की 353-400 मि.ली. या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस.जी. की २२० मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हैक्टर।आवश्यकता पर इनका दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें।
राई एवं तोरिया (लाही)/ पीली सरसों	अंकुरण/फूल आना	देर से बोई गई फसलों की निगरानी करनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई देनी चाहिए। सिंचाई के बाद फसल में नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीटों और बीमारियों की उपस्थिति की जाँच करें। । तुलसिता रोग में पत्तियां पीली पड़कर सूखने लगती है तथा सफ़ेद गेरुई रोग में प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों के ऊपर हलके पीले धब्बे एवं पत्तियों के नीचे की सतह में सफ़ेद फफोले बनते है जिनसे बाद में पुष्प विन्यास विकृत हो जातें है। तुलसिता रोग की रोकथाम के लिए मेटालैक्सिल 35 डब्लू. एस. या रिडोमिल एम. जेड. 72 की 2 कि. ग्रा. मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर 1-2 छिड़काव करें। यही रोकथाम सफ़ेद गेरुई रोग के लिए भी मान्य है सिवाए रिडोमिल एम. जेड. 72 की 2. 5 कि. ग्रा. मात्रा 800-1000 लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करें । माहूँ कीट की रोकथाम हेतु कीट केआर्थिक क्षति स्तर (10-15 पौधों पर 26 -28 माहूँ प्रति 10 से. मी. तने की ऊपरी शाखा) में पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ई.सी. 500 मि. ली. प्रति हैक्टर/ थीयामेथोक्जाम 25 डब्लू. जी. 100 ग्राम का 600 - 700 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर की दर से 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।
गेहू	बुवाई /अंकुरण	शीघ्र पकने वाली किस्मों की बुवाई माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए।

		शुष्क परिस्थितियों में पहली सिंचाई 25-30 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिए।
जौ	बुवाई /अंकुरण	सिंचित अवस्था में फसल की बुवाई माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए।
चारा फसल	बुवाई /वनस्पति	फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और शुष्क परिस्थितियों में सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानीविशिष्टसलाह
सब्जी मटर	अंकुरण/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए तथा 25-30 दिन के अंतराल पर फसल की निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए। खरपतवारनाशी के प्रयोग के मामले में 32 ई.सी. (पेन्डीमेथालिन 32 ईसी + इमाजेथापायर 2 ईसी) जैसे रसायन 1.0 किलोग्राम की दर से 200-250 लीटर पानी में मिश्रित कर छिड़काव किया जा सकता है। कीटों का अनुश्रवण करने के लिए 5-6 फेरोमोन प्रपंच/है. की दर से फसल में फूल आतें समय खेत में लगाए। 5 -6 मॉथ प्रति प्रपंच यदि दो-तीन दिन लगातार दिखाई दे तो इनमें में से किसी एक दवा का इस्तेमाल करें एन. पी. वी. 500 सूड़ी तुल्यांक अथवा बी. टी. 1 कि. ग्रा./है या इंडोक्साकार्ब 14. 5 ई.सी. की 353-400 मि.ली. या इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस.जी. की २२० मि. ग्रा. या स्पाइनोसेड 45 एस. सी. की 125-162 मि. ली. मात्रा प्रति हैक्टर।आवश्यकता पर इनका दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें।
मूली	बुवाई	यूरोपीयन किस्म को 6-8 किग्रा/हेक्टेयर और एशियाई किस्म को 10-12 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है। लाइन से लाइन की दूरी 20-25 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी होनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निओमोनिया की संभावना अधिक रहती है इसलिए सलाह दी जाती है कि पशु को ठंड से बचाना चाहिए और पशुओं को गर्म भोजन देना चाहिए।
गाय	मानसून के बाद आहार नाल में विभिन्न प्रकार के आंतरिक परजीवी उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए सबसे पहले पशुओं को कृमिनाशक दवा देनी चाहिए।